Under CSR Support by
ipca | Foundation
RIICO
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
कक्षा-9वीं राजस्थान बोर्ड 2027
ARJUN BATCH
लोकतांत्रिक राजनीति
संविधान का निर्माण
CHAPTER 02 || PART - 07
LIVE | 09 SEP | 5 PM

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

अभ्यास प्रश्न

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न

1 नीचे कुछ गलत वाक्य दिए गए हैं। हर एक में गई गलती पहचानें और इस अध्याय के आधार पर उसको ठीक करके लिखें।

क. स्वतंत्रता के बाद देश लोकतांत्रिक हो या नहीं, इस विषय पर स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं ने अपना दिमाग खुला रखा था।

उत्तर : यह एक सही कथन है।

Under CSR Support by Ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1 ख. भारतीय संविधान सभा के सभी सदस्य संविधान में कही गई हरेक बात पर सहमत थे।

उत्तर :

संविधान के विभिन्न प्रावधानों पर भारत की संविधान सभा के सदस्यों की अलग-अलग राय थी।

अभ्यास प्रश्न

1 | ग. जिन देशों में संविधान है वहां लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था ही होगी।

उत्तर :

इस अध्याय में दी गई जानकारी के संदर्भ में निश्चितता के साथ नहीं कहा जा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

368

1 | घ. संविधान देश का सर्वोच्च कानून होता है इसलिए इसमें बदलाव नहीं किया जा सकता।

उत्तर :

समाज की आकांक्षा में बदलाव के साथ संविधान में संशोधन किया जा सकता है।

Under CSR Support by Ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

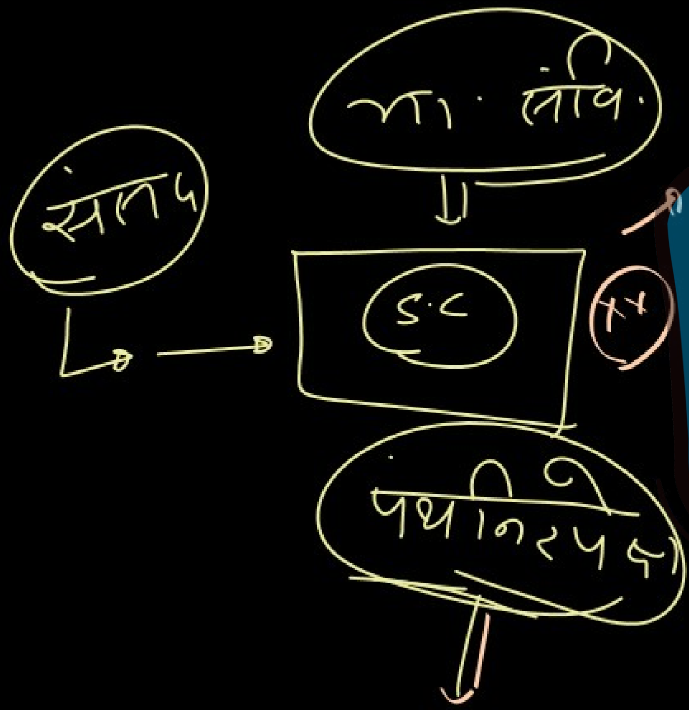

दक्षिण अफ्रीका का लोकतांत्रिक संविधान बनाने में, इनमें से कौन-सा टकराव सबसे महत्वपूर्ण था :

क. दक्षिण अफ्रीका और उसके पड़ोसी देशों का

ख. स्त्रियों और पुरुषों का

ग. गोरे अल्पसंख्यक और अश्वेत बहुसंख्यकों का

घ. रंगीन चमड़ी वाले बहुसंख्यकों और अश्वेत अल्पसंख्यकों का

उत्तर :

रंगीन चमड़ी वाले बहुसंख्यकों और अश्वेत अल्पसंख्यकों का

अभ्यास प्रश्न

लोकतांत्रिक संविधान में इनमें से कौन-सा -सा प्रावधान धान नहीं रहता?

क. शासन प्रमुख के अधिकार

ख. शासन प्रमुख के नाम

ग. विधायिका के अधिकार

घ. देश का नाम

उत्तर : शासन प्रमुख के नाम

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संविधान निर्माण में इन नेताओं और उनकी भूमिका में मेल बैठाएँ :

क. मोतीलाल नेहरू	1. संविधान सभा के अध्यक्ष
ख. बी.आर. अंबेडकर	2. संविधान सभा की सदस्य
ग. राजेंद्र प्रसाद	3. प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष
घ. सरोजिनी नायडू	4. 1928 में भारत का संविधान बनाया

Under CSR Support by Ipca Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

क. मोतीलाल नेहरू	4. 1928 में भारत का संविधान बनाया
ख. बी. आर. अंबेडकर	3. प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष
ग. राजेंद्र प्रसाद	1. संविधान सभा के अध्यक्ष
घ. सरोजिनी नायडू	2. संविधान सभा की सदस्य

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

15 Aug 1947

जवाहर लाल नेहरू के नियति के साथ साक्षात्कार वाले भाषण के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों का जवाब दें:

क. नेहरू ने क्यों कहा की भारत का भविष्य सुस्ताने और आराम करने का नहीं है ?

उत्तर : एक राष्ट्र के निर्माण का कार्य एक गर्वनीय कार्य है जिसे एक जीवनकाल में पूरा नहीं किया जा सकता है। इसलिए नेहरू ने अभिव्यक्ति का उपयोग किया था, "पूरी तरह से या पूर्ण माप में नहीं, बल्कि पर्याप्त रूप से"।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5 | ख. नए भारत के सपने किस तरह विश्व से जुड़े हैं?

उत्तर :

mg

Under CSR Support by
Ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5 ग. वे संविधान निर्माताओं से क्या शपथ चाहते थे?

उत्तर :

जो शपथ वे भारत के संविधान निर्माताओ से लेना चहते थे वह यह थी कि वे अपना जीवन भारतीय लोगो की सेवा को अर्पित कर दे। वह चाहता थे कि वे उस बड़ी ज़िम्मेदारी को समझें जो नियति ने उन्हे दी हैं।

अभ्यास प्रश्न

5 | घ. "हमारी पीढ़ी के सबसे महान व्यक्ति की कामना हर आँख से आंसू पोंछने की है।" वे इस कथन में किसका जिक्र कर रहे थे?

उत्तर : वह महात्मा गांधी का जिक्र कर रहे थे।

mg

Under CSR Support by Ipca Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

हमारे संविधान दिशा देने वाले ये कुछ मूल्य और उनके अर्थ हैं। इन्हें आपस में मिलाकर दोबारा लिखिए।

क. संप्रभु	1. सरकार किसी धर्म के निर्देशों के अनुसार काम नहीं करेगी।
ख. गणतंत्र	2. फैसले लेने का सर्वोच्च अधिकार लोगों पास है।
ग. बंधुत्व	3. शासन प्रमुख एक चुना हुआ व्यक्ति है।
घ. धर्मनिरपेक्ष	4. लोगों को आपस में परिवार की तरह रहना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

उत्तर :

क. संप्रभु	2. फैसले लेने का सर्वोच्च अधिकार लोगों पास है।
ख. गणतंत्र	3. शासन प्रमुख एक चुना हुआ व्यक्ति है।
ग. बंधुत्व	4. लोगों को आपस में परिवार की तरह रहना चाहिए।
घ. धर्मनिरपेक्ष	1. सरकार किसी धर्म के निर्देशों के अनुसार काम नहीं करेगी।

Under CSR Support by Ipca Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

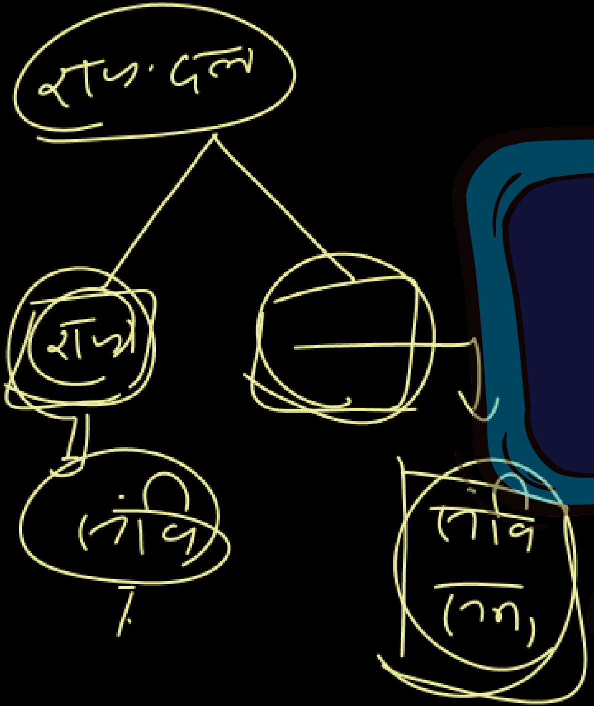

कुछ दिन पहले नेपाल आपके एक मित्र ने वहां की राजनैतिक स्थिति के बारे में आपको पत्र लिखा था। वहां अनेक राजनैतिक पार्टियां राजा के शासन का विरोध कर रही थीं। उनमें से कुछ का कहना था की राजा द्वारा दिए गए मौजूदा संविधान में ही संशोधन करके चुने हुए प्रतिनिधियों को ज्यादा अधिकार दिए जा सकते हैं। अन्य पार्टियां नया गणतांत्रिक संविधान बनाने के लिए नई संविधान सभा गठित करने की मांग कर रही थीं। इस विषय में अपनी राय बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखें।

Under CSR Support by Ipca Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

- दोनों विकल्प प्रशंसनीय हैं। यदि मौजूदा संविधान उचित है तो निर्वाचित प्रतिनिधियों को और अधिक शक्तियों को शामिल करने के लिए इसमें संशोधन किया जा सकता है।
- यदि मौजूदा संविधान खामियों से भरा है, तो एक नए संविधान का मसौदा तैयार किया जाना चाहिए।
- इसके लिए, निर्वाचित प्रतिनिधियों को शामिल करके एक संविधान सभा का गठन किया जाना चाहिए और उन्हें सामूहिक रूप से किसी विशेष विकल्प के बारे में निर्णय लेना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

8

भारत के लोकतंत्र के स्वरूप में विकास के प्रमुख कारणों के बारे में कुछ अलग-अलग विचार इस प्रकार हैं। आप इनमें से हर कथन को भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कितना महत्वपूर्ण कारण मानते हैं?

क. अंग्रेज शासकों ने भारत को उपहार के रूप में लोकतांत्रिक व्यवस्था दी। हमने ब्रिटिश हुकूमत के समय बनी प्रांतीय असेंबलियों के ज़रिए लोकतांत्रिक व्यवस्था में काम करने का प्रशिक्षण पाया।

Under CSR Support by Ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

- इस तथ्य के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें स्वीकार करना चाहिए कि हमने ब्रिटिश शासकों से कई अच्छी चीजें सीखीं और लोकतंत्र उनमें से एक था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ख. हमारे स्वतंत्रता संग्राम ने औपनिवेशिक शोषण और भारतीय लोगों को तरह-तरह की आज़ादी न दिए जाने का विरोध किया। ऐसे में स्वतंत्र भारत को लोकतांत्रिक होना ही था।

अभ्यास प्रश्न

उत्तर :

- भारत में राष्ट्रवाद के विचार को फैलाने और सर्वसम्मति से निर्णय लेने के अभ्यास को बढ़ाने के लिए स्वतंत्रता संघर्ष महत्वपूर्ण था।

Under CSR Support by ipca Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ग. हमारे राष्ट्रवादी नेताओं की आस्था लोकतंत्र में थी। अनेक नव स्वतंत्र राष्ट्रों में लोकतंत्र का न आना हमारे नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न

उत्तर :

☛ हम वास्तव में भाग्यशाली थे कि हमारे पास ऐसे नेता नहीं थे जो निरंकुश थे। भारत का स्वतंत्रता संग्राम समकालीन इतिहास में रक्तहीन स्वतंत्रता संघर्ष का एकमात्र उदाहरण है। यह संभव हो सकता है क्योंकि हमारे राष्ट्रवादी नेताओं में दूसरों के विचारों को सुनने की परिपक्वता थी।

Under CSR Support by Ipca Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1912 में प्रकाशित 'विवाहित महिलाओं के लिए आचरण' पुस्तक के निम्नलिखित अंश को पढ़े :

"ईश्वर ने औरत जाति को शारीरिक और भावनात्मक, दोनों ही तरह से ज्यादा नाजुक बनाया है। उन्हें आत्म रक्षा के भी योग्य नहीं बनाया है। इसलिए ईश्वर ने ही उन्हें जीवन भर पुरुषों के संरक्षण में रहने का भाग्य दिया है-कभी पिता के, कभी पति के और कभी पुत्र के। इसलिए महिलाओं को निराश होने की जगह इस बात से अनुगृहीत होना चाहिए की वे अपने आपको पुरुषों की सेवा में समर्पित कर सकती हैं।" क्या इस अनुच्छेद में व्यक्त मूल्य संविधान के दर्शन से मेल खाते है या वे संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ हैं?

अभ्यास प्रश्न

उत्तर :

- संविधान हर नागरिक के साथ समान रूप से लैंगिक भेद करता है। इसलिए यह अनुच्छेद हमारे संविधान में अंतर्निहित मूल्य को नहीं दर्शाता है।

Under CSR Support by Ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

10 **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए। क्या आप उनसे सहमत हैं? अपने कारण भी बताइए:**

क. संविधान के नियमों की हैसियत किसी भी अन्य कानून के बराबर है।

उत्तर :

☛ यह एक सही कथन नहीं है क्योंकि संविधान के नियमों का अधिकार किसी भी अन्य कानून की तुलना में बहुत अधिक है।

Under CSR Support by
Ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

10 ख. संविधान बताता है कि शासन व्यवस्था के विविध अंगों का गठन किस तरह होगा।

उत्तर :

☛ नहीं, यह सही नहीं है क्योंकि हमारा संविधान यह बताता है कि सरकार के विभिन्न अंगों का गठन कैसे किया जाएगा।

mg

Under CSR Support by
Ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

10 | ग. नागरिकों के अधिकार और सरकार की सत्ता की सीमाओं का उल्लेख भी संविधान में स्पष्ट रूप में है।

उत्तर :

- यह एक सही कथन है क्योंकि हमारे संविधान में नागरिकों के अधिकारों और सरकार की शक्ति पर सीमाएं स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई हैं।

अभ्यास प्रश्न

10 घ. संविधान संस्थाओं की चर्चा करता है, उसका मूल्यों से कुछ लेना-देना नहीं है।

उत्तर :

- एक संविधान उन संस्थानों के बारे में है, जिनके माध्यम से विभिन्न मूल्यों को विकसित किया जा रहा है।

mg

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संविधान : परिचय

संविधान का अर्थ :

- नागरिकों तथा सरकार द्वारा मान्य बुनियादी नियमों का सम्मिलित रूप।
- देश का सर्वोच्च कानून।
- निर्धारण–
  - नागरिकों के अधिकार
  - सरकार की शक्तियाँ
  - सरकार के कामकाज के तरीके
- लोकतंत्र में शासकों की मनमानी पर नियंत्रण।

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

1. संविधान की आवश्यकता क्यों?
2. संविधान का निर्माण कैसे?
3. संविधान निर्माता कौन?
4. लोकतांत्रिक संविधान को आकार देने वाले मूल्य कौन-से?
5. बदलती परिस्थितियों के अनुसार संविधान में बदलाव कैसे?

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

दक्षिण अफ्रीका में लोकतांत्रिक संविधान

रंगभेद का अर्थ :-

- नस्ली भेदभाव पर आधारित शासन व्यवस्था।
- दक्षिण अफ्रीका में यूरोपीय गोरे लोगों द्वारा लागू।
- लोगों का विभाजन मुख्यतः चमड़ी के रंग के आधार पर।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

दक्षिण अफ्रीकी समाज

- स्थानीय अश्वेत → लगभग तीन-चौथाई आबादी।
- अन्य समूह –
  - श्वेत
  - मिश्रित नस्ल के 'रंगीन' लोग
  - भारतीय मूल के लोग
- गोरे शासकों द्वारा गैर-श्वेत लोगों को हीन समझना।
- गैर-श्वेत लोगों को मताधिकार से वंचित।

Under CSR Support by
Ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रंगभेद व्यवस्था की विशेषताएँ

- अश्वेतों को श्वेत बस्तियों में रहने की अनुमति नहीं।
- श्वेत क्षेत्रों में काम के लिए परमिट आवश्यक।
- नस्ल के आधार पर अलग-अलग व्यवस्था—
    - रेलगाड़ी
    - बस/टैक्सी
    - होटल
    - अस्पताल
    - स्कूल-कॉलेज

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- पुस्तकालय
- सिनेमाघर/नाट्यगृह
- समुद्र तट
- तरणताल
- सार्वजनिक शौचालय

➢ श्वेतों के लिए आरक्षित स्थानों व गिरजाघरों में अश्वेतों का प्रवेश निषिद्ध।

➢ अश्वेतों को—

- संगठन बनाने का अधिकार नहीं
- भेदभाव का विरोध करने का अधिकार नहीं।

Under CSR Support by
Ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष

संघर्ष की शुरुआत :-

- 1950 से अश्वेत, रंगीन और भारतीय मूल के लोगों द्वारा संघर्ष।
- प्रमुख तरीके—
  - विरोध प्रदर्शन
  - हड़तालें

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नेतृत्व

- रंगभेद-विरोधी संगठन अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (ANC) के झंडे तले एकजुट।
- साथ में —
  - मजदूर संगठन
  - कम्युनिस्ट पार्टी
  - अनेक संवेदनशील श्वेत नागरिक
- कई देशों द्वारा भी रंगभेद की निंदा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

नेल्सन मंडेला

- रंगभेद-विरोधी संघर्ष के प्रमुख नेता।
- 1964 → मंडेला और सात अन्य नेताओं को आजीवन कारावास।
- लगभग 27 वर्षों तक रोब्बेन द्वीप में कैद।

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

एक नए संविधान की ओर

परिवर्तन के कारण :-

01 संघर्ष व विरोध में वृद्धि

02 बलपूर्वक शासन जारी रखना कठिन

03 गोरी सरकार की नीतियों में परिवर्तन

04 भेदभावपूर्ण कानून वापस

05 राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध समाप्त

06 मीडिया पर पाबंदियाँ समाप्त

07 नेल्सन मंडेला की रिहाई

08 लोकतांत्रिक दक्षिण अफ्रीका का उदय

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

महत्वपूर्ण घटना

- 26 अप्रैल 1994 की मध्य रात्रि → दक्षिण अफ्रीका में नया झंडा।
- रंगभेद आधारित शासन व्यवस्था का अंत।
- सभी नस्लों की मिलीजुली सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नए दक्षिण अफ्रीका का आधार

अश्वेत नेतृत्व ने बदले की जगह अपनाया-

क्षमा + समानता + लोकतांत्रिक मूल्य + सामाजिक न्याय + मानवाधिकार

- श्वेतों द्वारा किए गए अत्याचारों को भूलकर आगे बढ़ने का आग्रह।
- सभी नस्लों तथा स्त्री-पुरुष की समानता पर बल।
- पहले विरोधी रहे दोनों पक्ष नए संविधान के निर्माण के लिए साथ बैठे।

Under CSR Support by
Ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संविधान निर्माण

- लगभग दो वर्षों की चर्चा और बहस।
- नागरिकों को व्यापक अधिकार।
- कठिन समस्याओं के समाधान में सबकी भागीदारी।
- किसी समूह को अलग या दुष्ट मानकर व्यवहार नहीं।
- पुराने कड़वे अनुभवों को भविष्य के लिए सबक के रूप में स्वीकार करना।

Under CSR Support by ipca Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

परिणाम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

हमें संविधान की जरूरत क्यों है?

दक्षिण अफ्रीका से सीख : नए लोकतंत्र में दो समूह

- **बहुसंख्यक अश्वेतों की चिंता**
  - बहुमत के शासन का सिद्धांत सुरक्षित रहे।
  - सामाजिक एवं आर्थिक अधिकार मिलें।
- **अल्पसंख्यक श्वेतों की चिंता**
  - अपनी संपत्ति
  - अपने विशेषाधिकार

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

समझौता :

- **श्वेत पक्ष**
  - बहुमत के शासन को स्वीकार।
  - एक व्यक्ति–एक वोट को स्वीकार।
  - गरीबों व मजदूरों के बुनियादी अधिकार स्वीकार
- **अश्वेत पक्ष**
  - हर निर्णय केवल बहुमत के आधार पर नहीं।
  - बहुमत के बल पर श्वेतों की संपत्ति पर कब्जा नहीं।

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संविधान की आवश्यकता

समझौता तभी स्थायी हो सकता है जब :-

01 सहमति

02 लिखित नियम

03 सभी के लिए बाध्यकारी

04 सरकार की शक्ति निर्धारित

05 नागरिक अधिकार सुरक्षित

06 शासक मनमाने ढंग से नियम न बदल सकें

07 संविधान

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

मूल विचार :

- बुनियादी नियमों को लिखित रूप देना।
- नियमों को सरकार से भी ऊपर रखना।
- कोई सरकार इनकी उपेक्षा न कर सके।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

महत्वपूर्ण निष्कर्ष :

- संविधान वाले सभी देश लोकतांत्रिक हों –आवश्यक नहीं।
- लोकतांत्रिक शासन वाले देश में संविधान – आवश्यक।

Under CSR Support by
Ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारतीय संविधान का निर्माण

संविधान निर्माण के समय भारत की परिस्थितियाँ :

भारत का संविधान कठिन परिस्थितियों में निर्मित–

- विशाल एवं विविधतापूर्ण देश।
- गुलाम की हैसियत से → नागरिक की हैसियत की ओर परिवर्तन।
- धर्म के आधार पर भारत का विभाजन।
- भारत-पाकिस्तान में भारी हिंसा और बर्बादी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- विभाजन से जुड़ी हिंसा में सीमा के दोनों ओर कम-से-कम 10 लाख लोगों की मृत्यु।
- देसी रियासतों के सामने विकल्प–
  - भारत में विलय
  - पाकिस्तान में विलय
  - स्वतंत्र रहना
- रियासतों का विलय → कठिन एवं अनिश्चित।
- संविधान निर्माताओं के सामने देश के वर्तमान और भविष्य की चिंता।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भारतीय संविधान निर्माण का रास्ता

- **प्रमुख लाभ :** भारत में संविधान निर्माण से पहले ही स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कई बुनियादी मुद्दों पर राष्ट्रीय सहमति विकसित।
- **राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप :** राष्ट्रीय आंदोलन केवल
- विदेशी सत्ता के विरुद्ध संघर्ष नहीं, बल्कि
  - समाज को जगाना, राजनीति बदलना, समाज को नए सिरे से गढ़ना

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संविधान से पहले बनी सहमति

1928 :

- मोतीलाल नेहरू + कांग्रेस के 8 अन्य नेता
- भारत के लिए एक संविधान का प्रारूप तैयार।

1931 : कराची अधिवेशन

➤ स्वतंत्र भारत के संविधान की रूपरेखा में–

- सार्वभौम वयस्क मताधिकार
- स्वतंत्रता का अधिकार
- समानता का अधिकार

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

औपनिवेशिक शासन से प्राप्त अनुभव

- अंग्रेजी शासन में सीमित लोगों को मताधिकार।
- विधायिका बहुत कमजोर।
- 1937 के बाद प्रादेशिक असेंबलियों के चुनाव।
- सरकारें पूर्णतः लोकतांत्रिक नहीं।
- फिर भी विधानसभाओं में कार्य करने का अनुभव भारतीय नेताओं के लिए उपयोगी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- भारतीय संविधान में पुरानी व्यवस्था की कई संस्थाएँ अपनाई गईं।
- उदाहरण → भारत सरकार कानून, 1935।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

विभिन्न विचारों से प्रेरणा

भारतीय नेताओं ने आवश्यकता के अनुसार विभिन्न अनुभव अपनाए-

स्रोत	प्रभाव
फ्रांसीसी क्रांति	उसके आदर्श
अमेरिका	अधिकारों की सूची
रूस की समाजवादी क्रांति	सामाजिक और आर्थिक समता की कल्पना

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

विशेषता :

- दूसरों की केवल नकल नहीं।
- प्रत्येक विचार पर प्रश्न – क्या यह भारत के लिए उपयुक्त है?

mg

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संविधान सभा

परिभाषा

- चुने गए जनप्रतिनिधियों की वह सभा जो संविधान लिखती है → संविधान सभा।

गठन

- संविधान सभा के चुनाव → जुलाई 1946
- पहली बैठक → दिसंबर 1946
- विभाजन के बाद सभा भी–

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- भारत की संविधान सभा
- पाकिस्तान की संविधान सभा

प्रमुख तथ्य

- भारतीय संविधान सभा के सदस्य → 299
- संविधान निर्माण का कार्य पूर्ण → 26 नवंबर 1949
- संविधान लागू → 26 जनवरी 1950
- 26 जनवरी → गणतंत्र दिवस।

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संविधान की वैधता के कारण

व्यापक सहमति

- संविधान केवल संविधान सभा के सदस्यों के व्यक्तिगत विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं।
- अपने समय की व्यापक राष्ट्रीय सहमति का प्रतिनिधित्व।
- संविधान की वैधता पर किसी बड़े सामाजिक समूह या राजनीतिक दल द्वारा मूल प्रश्न नहीं उठाया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्रतिनिधित्व

- सार्वभौम वयस्क मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष चुनाव नहीं।
- मुख्य रूप से प्रांतीय असेंबलियों के सदस्यों द्वारा चुनाव।
- फिर भी सभी भौगोलिक क्षेत्रों का उचित प्रतिनिधित्व।
- कांग्रेस का प्रभुत्व, लेकिन कांग्रेस के भीतर भी विभिन्न विचारधाराएँ।

Under CSR Support by
Ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- **सभा में—**
  - विभिन्न समूह
  - जातियाँ
  - वर्ग
  - धर्म
  - पेशे का प्रतिनिधित्व।

Under CSR Support by Ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कार्यप्रणाली

- संविधान सभा का कार्य—
  - व्यवस्थित + खुला + सर्वसम्मति आधारित

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by Ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

संविधान सभा के प्रमुख सदस्य	
सदस्य	प्रमुख भुमिका/विशेषता
डॉ. राजेंद्र प्रसाद	संविधान सभा के अध्यक्ष
डॉ. बी.आर. अंबेडकर	प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष
टी.टी. कृष्णामचारी	प्रारूप कमेटी के सदस्य
एच.सी. मुखर्जी	संविधान सभा के उपाध्यक्ष
वल्लभभाई पटेल	रियासतों के विलय में निर्णायक भूमिका
सरोजिनी नायडू	अग्रणी महिला कांग्रेसी नेता
अबुल कलाम आजाद	राष्ट्रीय आंदोलन में अग्रणी भूमिका

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संविधान सभा के प्रमुख सदस्य

सदस्य	प्रमुख भुमिका/विशेषता
जयपाल सिंह	आदिवासी महासभा के संस्थापक अध्यक्ष
जी. दुर्गाबाई देशमुख	महिला मुक्ति कार्यकर्ता
बलदेव सिंह	पंथक अकाली पार्टी के नेता
के.एम. मुंशी	वकील, इतिहासकार, भाषाविद् एवं गांधीवादी
श्यामा प्रसाद मुखर्जी	हिंदू महासभा में सक्रिय
जवाहरलाल नेहरू	समाजवाद, लोकतंत्र और साम्राज्यवाद-विरोध के पक्षधर
सोमनाथ लाहिड़ी	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

भारतीय संविधान के बुनियादी मूल्य

संविधान का दर्शन- संविधान के दर्शन को समझने के दो माध्यम

- नेताओं के विचार
- संविधान की प्रस्तावना

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

महात्मा गांधी का सपना

- गांधी संविधान सभा के सदस्य नहीं थे।
- संविधान सभा के अनेक सदस्य उनके विचारों से प्रभावित।
- गांधी की कल्पना का भारत
  - गुलामी और अधीनता से मुक्त
  - गरीब व्यक्ति को भी अपना लगे
  - प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी
  - उच्च और निम्न वर्ग का अभाव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सभी समुदायों में मेल-जोल
- छुआछूत का अभाव
- शराब व नशीली चीजों के लिए स्थान नहीं
- महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार।

Under CSR Support by Ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

डॉ. बी.आर. अंबेडकर की चिंता

- लक्ष्य → भेदभाव और गैर-बराबरी से मुक्त भारत।
- राजनीतिक समानता और सामाजिक-आर्थिक असमानता के बीच विरोधाभास पर चिंता।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

मुख्य विचार

- **राजनीतिक जीवन**
  - एक व्यक्ति-एक वोट
  - प्रत्येक वोट का समान महत्व
- **सामाजिक-आर्थिक जीवन**
  - असमानता जारी रहने का खतरा।
- **चेतावनी**
  - सामाजिक व आर्थिक समानता को लंबे समय तक नकारना → राजनीतिक लोकतंत्र के लिए संकट।

Under CSR Support by Ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

जवाहरलाल नेहरू : स्वतंत्र भारत का लक्ष्य

अगस्त 1947 की मध्य रात्रि के भाषण में-

- आजादी के साथ जिम्मेदारी।
- भारत और उसके लोगों की सेवा।
- मानवता की सेवा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- **समाप्त करने का लक्ष्य-**
  - दरिद्रता
  - अज्ञान
  - बीमारी
  - अवसर की असमानता
- जब तक लोगों का कष्ट समाप्त नहीं → कार्य अधूरा।

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्रस्तावना : संविधान की आत्मा

प्रस्तावना का अर्थ-

- संविधान की शुरुआत में मूल्यों की संक्षिप्त उद्देशिका।
- पूरे संविधान के पीछे के दर्शन का प्रतिबिंब।
- सरकार के कानूनों और फैसलों को परखने का मानक।
- भारतीय संविधान की आत्मा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्रस्तावना के प्रमुख शब्द

1. "हम भारत के लोग"

- संविधान का निर्माण एवं अधिनियमन भारत के लोगों ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से।
- किसी राजा या बाहरी शक्ति द्वारा प्रदत्त नहीं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. प्रभुत्व-संपन्न

- अपने मामलों में निर्णय लेने का सर्वोच्च अधिकार लोगों के पास।
- कोई बाहरी शक्ति भारत सरकार को आदेश नहीं दे सकती।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. समाजवादी

- संपदा समाज में सामूहिक रूप से पैदा।
- उसका वितरण समानता के साथ होना चाहिए।
- सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने की दिशा में नियम।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. पंथ-निरपेक्ष

- किसी भी धर्म को मानने की स्वतंत्रता।
- कोई धर्म आधिकारिक धर्म नहीं।
- सभी धार्मिक मान्यताओं व आचरणों को समान सम्मान।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5. लोकतंत्रात्मक

- लोगों को समान राजनीतिक अधिकार।
- लोग अपने शासकों का चुनाव।
- सरकार को जवाबदेह बनाना।
- शासन बुनियादी नियमों के अनुरूप।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

6. गणराज्य

- शासन प्रमुख लोगों द्वारा चुना हुआ।
- किसी वंश या राज-परिवार के आधार पर नहीं।

Under CSR Support by Ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्रस्तावना के आदर्श

न्याय

- सामाजिक + आर्थिक + राजनीतिक न्याय
  - जाति, धर्म और लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं।

स्वतंत्रता

- विचार
- अभिव्यक्ति
- विश्वास
- धर्म

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- उपासना
- की स्वतंत्रता।

समता

- कानून के समक्ष सभी समान।
- सामाजिक असमानताओं का अंत।
- प्रत्येक नागरिक को समान अवसर।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बंधुता

- एक परिवार के सदस्यों की तरह व्यवहार।
- किसी नागरिक को अपने से कमतर न समझना।
- व्यक्ति की गरिमा तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करना।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

महत्वपूर्ण तथ्य :

- ‘समाजवादी’ और ‘पंथ-निरपेक्ष’ शब्द → 42वाँ संविधान संशोधन, 1976 द्वारा उद्देशिका में जोड़े गए।

Under CSR Support by ipca Foundation
missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

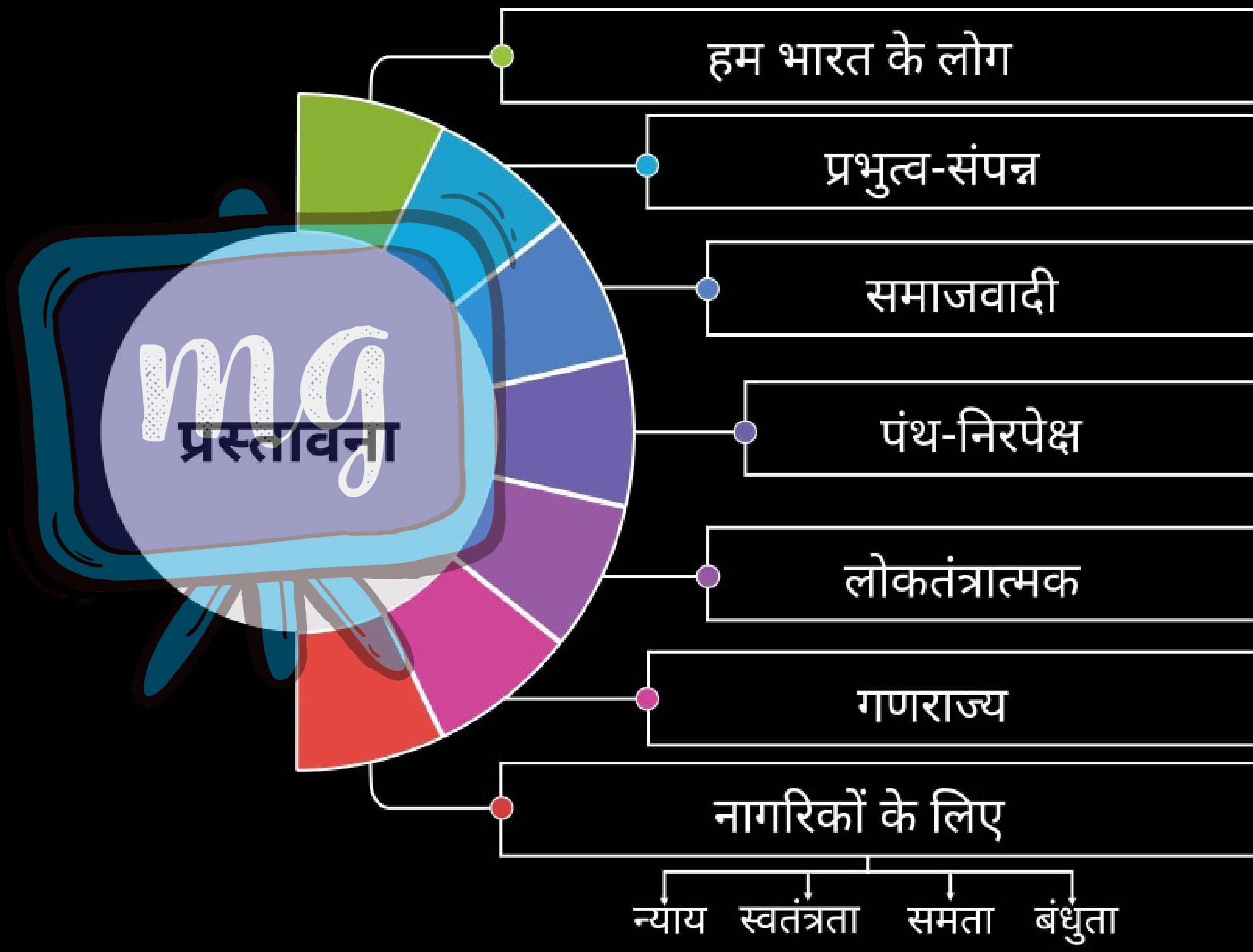

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संस्थाओं का स्वरूप

- संविधान केवल मूल्यों और दर्शन का बयान नहीं
- इन मूल्यों को संस्थागत रूप देना
- शासकों के चुनाव के नियम
- शक्ति का विभाजन
- निर्णय लेने का अधिकार
- नागरिक अधिकार
- सरकार की शक्ति पर सीमा

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संविधान की प्रकृति

- लंबा और विस्तृत दस्तावेज।
- बदलती सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तन की व्यवस्था।
- संविधान को पूर्णतः स्थायी और अपरिवर्तनीय नहीं माना गया।

संविधान संशोधन- समय-समय पर संविधान में किए जाने वाले बदलाव

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

महत्वपूर्ण शब्दावली	
शब्द	अर्थ
रंगभेद	दक्षिण अफ्रीका में नस्ली अलगाव और भेदभाव पर आधारित शासन व्यवस्था
धारा	किसी दस्तावेज का विशेष हिस्सा/अनुच्छेद
संविधान	देश का सर्वोच्च कानून; राजनीति और समाज को चलाने वाले मौलिक कानून
संविधान संशोधन	सर्वोच्च विधायी संस्था द्वारा संविधान में किया गया बदलाव
संविधान सभा	संविधान लिखने वाली जनप्रतिनिधियों की सभा

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

महत्वपूर्ण शब्दावली	
शब्द	अर्थ
प्रारूप	कानूनी दस्तावेज का प्रारंभिक रूप
दर्शन	सोच और कार्य को दिशा देने वाले बुनियादी विचार
प्रस्तावना	संविधान का प्रारंभिक कथन जिसमें बुनियादी मूल्य व अवधारणाएँ व्यक्त
देशद्रोह	देश की सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश का अपराध

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

महत्वपूर्ण तिथियाँ

वर्ष/तिथि	घटना
1928	मोतीलाल नेहरू व आठ अन्य नेताओं द्वारा संविधान का प्रारूप
1931	कराची कांग्रेस अधिवेशन में स्वतंत्र भारत के संविधान की रूपरेखा
1937 के बाद	प्रादेशिक असेंबलियों के चुनाव
जुलाई 1946	संविधान सभा के चुनाव
दिसंबर 1946	संविधान सभा की पहली बैठक

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

महत्वपूर्ण तिथियाँ	
वर्ष/तिथि	घटना
15 अगस्त 1947	स्वतंत्रता; नेहरू का प्रसिद्ध मध्यरात्रि भाषण
26 नवंबर 1949	संविधान सभा का संविधान निर्माण कार्य पूर्ण
26 जनवरी 1950	संविधान लागू
1976	42वें संशोधन से 'समाजवादी' व 'पंथ-निरपेक्ष' शब्द प्रस्तावना में शामिल

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संविधान निर्माण

- दक्षिण अफ्रीका
- संविधान की आवश्यकता
- भारतीय संविधान

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

दक्षिण अफ्रीका

1. रंगभेद
2. भेदभाव और दमन
3. ANC का संघर्ष
4. मंडेला
5. समझौता
6. लोकतांत्रिक संविधान

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

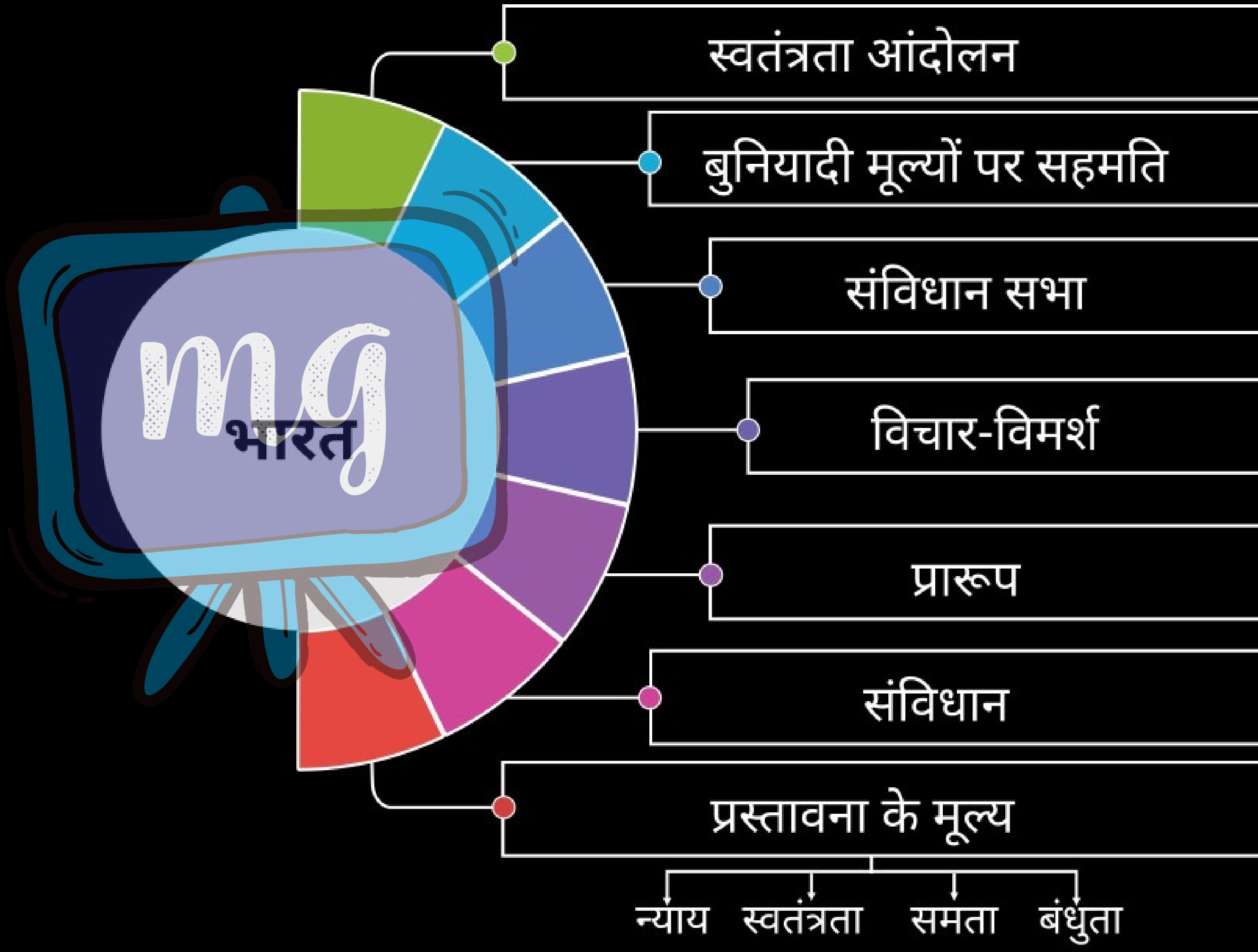

Under CSR Support by Ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

एक-पंक्ति पुनरावृत्ति बिंदु

- संविधान → देश का सर्वोच्च कानून।
- संविधान सभा → संविधान निर्माण हेतु जनप्रतिनिधियों की सभा।
- दक्षिण अफ्रीकी लोकतंत्र → रंगभेद-विरोधी संघर्ष व समझौते का परिणाम।
- संविधान का प्रमुख उद्देश्य → विश्वास, शासन, अधिकार-सुरक्षा व आदर्श समाज की आकांक्षा।

mg

Under CSR Support by Ipca Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- भारतीय संविधान → कठिन परिस्थितियों व राष्ट्रीय सहमति में निर्मित।
- संविधान सभा → 299 सदस्य।
- प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष → डॉ. बी.आर. अंबेडकर।
- संविधान सभा के अध्यक्ष → डॉ. राजेंद्र प्रसाद।
- संविधान निर्माण कार्य पूर्ण → 26 नवंबर 1949।
- संविधान लागू → 26 जनवरी 1950।
- संविधान का दर्शन → प्रस्तावना में व्यक्त।
- प्रमुख आदर्श → न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- संविधान → मूल्यों को संस्थागत रूप देने का माध्यम।
- बदलती परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तन → संविधान संशोधन।